



विराट के लिए २०२४–२०२५ ऑस्ट्रेलिया दौरा खास नहीं रहा इस दूर पर कोहली ऑफ स्टैंप्स से बाहर जाती गेंदों पर आउट हुए जिसके बाद मांजेकर ने कहा था कि विराट अपनी कमियों को दूर करने में नाकाम रहे और टेस्ट से रिटायरमेंट ले लिया। – संजय मांजेकर

पूर्व भारतीय खिलाड़ी संजय मांजेकर, विराट कोहली को लेकर बोलते हुए।

सफलता अनुशासन, धैर्य और वर्षों के अनदेखे प्रयास पर बनती है : सहरावत

मुंबई, १३ जनवरी। मुंबई में परंपरा और आधुनिक खेल महत्वाकांक्षा का एक शक्तिशाली संगम देखने को मिला, जब ओलंपिक कांस्थ पदक विजेता अमन सहरावत ने १२ जनवरी को शहर भर में एक दिवसीय युवा और अखाड़ा कनेक्ट दौरा का समापन किया। इवेंट के बाद अब सारा ध्यान प्रो रেসलिंग लीग पर है, जो १६ जनवरी से शुरू होने वाली है, जिसमें एस्पेक्ट ग्लोबल वैंचर्स की स्पोर्ट्स शाखा एस्पेक्ट स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली और एपीसीओ इंफांटेक के साथ साझेदारी में टाइटान्स ऑफ मुंबई दंगल (टीओएमडी) अपना बहुप्रतीक्षित डेब्यू करेगी। पेरिस २०२४ ओलंपिक खेलों के पदक विजेता, सहरावत ने मुंबई भर के कॉलेज छात्रों और जमीनी स्तर के पहलवानों के साथ बातचीत की, और पारंपरिक अखाड़ा प्रशिक्षण से लेकर दुनिया के सबसे बड़े खेल मंच तक की अपनी यात्रा साझा की। मुंबई में सुबह-सुबह ट्रेनिंग सेशन के साथ अपने दिन की शुरुआत करते हुए, सहरावत ने बाद में बांद्रा में एक कॉलेज मीट-एंड-ग्रीट के दौरान छात्रों के साथ बातचीत की, जहाँ उन्होंने युवा एथलीटों और खेल प्रेमियों को संबोधित किया, और इस विचार को मजबूत किया कि कुलीन सफलता अनुशासन, धैर्य और वर्षों के अनदेखे प्रयास पर बनती है। एस्पेक्ट ग्लोबल वैंचर्स की कार्यकारी अध्यक्ष और टाइटान्स ऑफ मुंबई दंगल की मालिक, अश्व कंबोज ने कहा, एक नई फ्रेंचाइजी के तौर पर, हमारे लिए सही संदेश के साथ शुरुआत करना महत्वपूर्ण था। अमन उस चीज का प्रतीक हैं जिसके लिए हम टीओएमडी को खड़ा करना चाहते हैं, जो कि जमीनी स्तर की ताकत, अनुशासन और प्रक्रिया में विश्वास है। यह दौरा सिर्फ प्रो रেসलिंग लीग में हमारे आगमन की घोषणा करने के बारे में नहीं था, यह यह दिखाने के बारे में था कि हम किस तरह की टीम बना रहे हैं। इस दौर के सबसे यादगार पलों में से एक सहरावत का माटुंगा अखाड़े का दौरा था, जहाँ उन्होंने प्रशिक्षण मुकाबलों को देखा, युवा पहलवानों के साथ कर्तब से बातचीत की, और उस प्रशिक्षण माहौल में कदम रखा जो भारतीय कुश्ती की जमीनी संस्कृति को परिभाषित करता है। एक ओलंपिक पदक विजेता की उसी मिट्टी पर खड़े होने की तस्वीर, जहाँ भविष्य के पहलवान प्रशिक्षण लेते हैं, ने खेल की भावना और टाइटान्स ऑफ मुंबई दंगल जिस लोकाचार का निर्माण कर रहे हैं, उसे दर्शाया।

नॉर्वे शतरंज २०२६ से आस्लो में निश्चित होगा, १३ साल का स्टावेंजर चैप्टर खत्म

ओस्लो, १३ जनवरी। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित शतरंज टूर्नामेंट में से एक, नॉर्वे शतरंज, २०२६ से एक नए दौर में प्रवेश करेगा, क्योंकि यह इवेंट १३ साल बाद स्टावेंजर से आस्लो में निश्चित हो रहा है, जैसा कि नॉर्वे शतरंज द्वारा जारी विज्ञापन में बताया गया है। यह टूर्नामेंट, नॉर्वे शतरंज महिला के साथ, २५ मई से ५ जून तक नॉर्वे की राजधानी में डाइकनमैन ब्योर्विका में आयोजित किया जाएगा। २०१३ में अपनी शुरुआत के बाद से, स्टावेंजर नॉर्वे शतरंज का स्थायी घर रहा है, जिसने इसे अंतर्राष्ट्रीय शतरंज कैलेंडर पर एक प्रमुख स्थान बनाने में मदद की है। आयोजकों ने टूर्नामेंट की पहचान को आकार देने में शहर की भूमिका को स्वीकार किया, विशेष रूप से नॉर्वे शतरंज महिला के लॉन्च का समर्थन करने में, जो समान पुरस्कार राशि और खेलने की स्थिति प्रदान करता है। नॉर्वे शतरंज के संस्थापक और सीईओ केजेल मैडलैंड ने कहा, नॉर्वे शतरंज आज जो इवेंट है, वह स्टावेंजर में हमें मिले क्रॉस-पार्टी राजनीतिक समर्थन और उदार स्वागत के बिना संभव नहीं होता। हम स्टावेंजर शहर को तहे दिल से धन्यवाद देना चाहते हैं, जो हर कदम पर हमारे साथ खड़ा रहा, खासकर नॉर्वे शतरंज महिला के विकास में, जो समान पुरस्कार शर्तों वाला एक अग्रणी महिला टूर्नामेंट है। हम अपने स्थानीय प्रायोजकों और अविवशसनीय स्वयंसेवकों की भी धन्यवाद देना चाहते हैं। आप सभी ने मिलकर नॉर्वेजियन खेल इतिहास का एक अध्याय लिखा है। नॉर्वे शतरंज के सीओओ बेनेडिक्टे वेस्ट्रे स्कोगी, हम देश की राजधानी में नॉर्वे शतरंज स्थापित करने में बड़े अवसर देखते हैं। ओस्लो एक अंतर्राष्ट्रीय मिलन स्थल है और यह हमें दर्शाता है, भागीदारों और शतरंज के प्रति उससीही नई पीढ़ियों के बीच और भी व्यापक दर्शकों तक पहुंचने का एक अनूठा अवसर देता है।

पीजीटीआई के ‘७२ द लीग’ के विजेताओं को मिलेगी द जेंटलमैन जैकेट

नई दिल्ली, १३ जनवरी। भारत की पहली एक्सक्लूसिव नेशनल प्रोफेशनल गोल्फ लीग, ७२ द लीग, का मकसद भारतीय गोल्फरों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच देना है, और विजेताओं और फ्रेंचाइजी मालिकों को जेंटलमैन जैकेट मिलेगी, जो अनुशासन और शांत सटीकता का एक खास प्रतीक है। यह लीग गेम ऑफ लाइफ स्पोर्ट्स (गोल्स) के साथ पार्टनरशिप में लॉन्च की गई है और २१ फरवरी को शुरू होगी, जिसका फाइनल ६ मार्च को होगा। पहला सीजन दिल्ली एनसीआर के तीन सबसे प्रतिष्ठित गोल्फ वेन्यू – क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब, जेपी ग्रीन्स और कुतुब गोल्फ क्लब को में होगा।

लीग में विजेताओं और फ्रेंचाइजी मालिकों को शांतनु निखिल द्वारा डिजाइन किया गया एक्सक्लूसिव जेंटलमैन जैकेट मिलेगी, जो ७२ द लीग के ऑफिशियल फैशन पार्टनर बने हैं। लीग की छह शहर-आधारित फ्रेंचाइजी के मालिकों और जीतने वाली टीम के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया, द जेंटलमैन जैकेट नई स्पोर्टिंग ब्लेजर को शांतनु निखिल के सिग्नेचर स्ट्रक्चर और सज्जता के नजरिए से फिर से डिजाइन करता है। एक साफ सिंगल-ब्रेस्टेड सिल्ट्यूट में कटा हुआ, इसमें लैपल, जेब और हेम के साथ कुरकुरी सफेद पारंपरिक है, जो पारंपरिक स्पोर्टिंग यूनिफॉर्म की याद दिलाता है, जिसे इसके एंजीक्यूशन में और भी शार्प और मॉडर्न बनाया गया है।



बांग्लादेश ट्वंटी-२० वर्ल्डकप भारत में न खेलने पर अड़ा

कहा- खिलाड़ियों की सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी



ढाका, १३ जनवरी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड टी-२० वर्ल्ड कप के अपने मैच भारत में न खेलने की मांग पर अड़ा हुआ है। वह चाहता है कि उसके मैच भारत की बजाय श्रीलंका में खेले जाएं।

ने प्रेस रिलीज जारी करके कहा– उसने

मंगलवार को के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस पर एक बार फिर अपनी मांग दोहराई है। ने बांग्लादेशी बोर्ड से इस मांग पर फिर से विचार करने के लिए कहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को ने

की वेन्यू बदलने की मांग खारिज कर दी

थी। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण ने मुस्लिमजुर रहमान को में खेलने की अनुमति नहीं दी है। बीसीसीआई के निर्देश पर ने ३ जनवरी को उन्हें टीम से बाहर कर दिया था। इससे बौखलाई बांग्लादेश सरकार ने

रोहित शर्मा

हिटमैन रोहित शर्मा ने एक बार फिर कमाल कर दिखाया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में उन्होंने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए दो छक्के जड़े और क्रिस गेल के रिकॉर्ड को धक्का कर दिया और अब वनडे क्रिकेट इतिहास में बतौर ओपनर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दुनिया के नंबर १

क्या आप जानते हैं ?... साल २००६ में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट मैच में श्रीलंका की पहली पारी में मेहला जयवर्धने और कुमार संगकारा ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए ६२४ रन की पार्टनरशिप की थी

राष्ट्रदूत कोटा, १४ जनवरी, २०२६

बल्लेबाज बन गए हैं। क्रिस गेल ने बतौर ओपनर वनडे में कुल ३२८ छक्के (२७४ पारियों में) लगाए थे, लेकिन अब रोहित शर्मा ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने ३२९ छक्के लगा दिए हैं और वह अब वनडे क्रिकेट में ओपनर के रूप में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

सबसे लगातार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने का रिकॉर्ड

सिडनी, १३ जनवरी। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतना एक मील का पत्थर है। इसे लगातार जीतना अपने सबसे शुद्ध रूप में दबदबा है। मेलबर्न पार्क की कठिन परिस्थितियाँ – विलचिालती गर्मी, तेज हार्ड कोर्ट और लगातार बढ़ता मुकाबला खिलाड़ियों को सिर्फ कौशल से आगे ले जाता है, जिसके लिए लचीलापन, अनुकूलन क्षमता और मानसिक मजबूती की जरूरत होती है।

टूर्नामेंट के लंबे इतिहास में, केवल कुछ ही लोग इन चुनौतियों पर साल–दर–साल जीत हासिल कर पाए हैं, जिससे ऐसी जीत की लकीरें बनी हैं जो टेनिस की सबसे कठिन उपलब्धियों में से हैं और चैंपियन को युग–परिभाषित दिग्गजों से अलग करती हैं।

मेलबर्न में अब तक दर्ज की गई सबसे प्रतिष्ठित लगातार टाइटल जीत।

मार्गरेट कोर्ट – ७ लगातार टाइटल (१९६०–१९६६) महिला एकला।

नोवाक जोकोविच – ३ लगातार टाइटल (२०१९–२०२१) पुरुष एकला।

मार्टिना हिंगिस – ३ लगातार टाइटल (१९९७–१९९९) महिला एकला।

स्टेफी ग्राफ – ३ लगातार खिताब (१९८८–१९९०) महिला एकला।

जैसे–जैसे ऑस्ट्रेलियन ओपन २०२६ करीब आ रहा है, ये रिकॉर्ड इस बात की स्थायी याद दिलाते हैं कि मेलबर्न पर राज करने के लिए क्या चाहिए – अनुशासन, सहनशक्ति और महानता के लिए एक अदृट भूखा क्या आज की पीढ़ी

इन ऐतिहासिक जीतों को चुनौती दे पाएगी, यह इस खेल की सबसे दिलचस्प कहानियों में से एक बनी हुई है।

भारत ने मालदीव को रौंदकर अंतरराष्ट्रीय महिला फुटसल में पहली जीत हासिल की नॉथाबुरी (थाईलैंड), १३ जनवरी। भारतीय महिला फुटसल टीम ने मंगलवार को यहां नॉथाबुरी स्टेडियम में सैफ महिला फुटसल चैंपियनशिप के अपने पहले मैच में मालदीव को ११–१ से हराकर अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय जीत शानदार अंदाज में हासिल की।

खुशबू सरोज (१७', २२', २४', २६') ने चार गोल किए, जबकि रितिका सिंह (६', १७'), सोनाली मंडल (१७', ३७') और निश्का प्रकाश (३३', ३४') ने दो–दो गोल किए। मिथिला रमानी (४४')

रायपुर में आईपीएल के २ मैच स्लेमी, इंदौर भी हो सकता है वेन्यू

बेंगलुरु में विक्ट्री परेड में ११ लोगों की मौत हुई थी

नई दिल्ली, १३ जनवरी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम रायपुर में आईपीएल २०२६ के २ मैच खेलेगी। दैनिक भास्कर के सूत्रों ने बताया है कि रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम को २ मुकाबलों की मेजबानी दी जा चुकी है। इसके अलावा बेंगलुरु, मुंबई और इंदौर भी मेजबानी रस टीम में शामिल हैं। बेंगलुरु में भी बाकि के बचे ५ मैच कराने प्रयास किए जा रहे हैं। यदि एम. चित्रास्वामी



स्टेडियम को मिल जाता है तो मैच होंगे। ऐसा नहीं होने पर रायपुर को ३ और मैच दिए जाएंगे। शेष दो मैच इंदौर में कराए जा सकते हैं। के सीजन में एक टीम के १४ लीग मैच होते हैं। टीम इनमें से ७ मैच होम ग्राउंड में खेलती है।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने स्वामी विवेकानंद चैलेंज कप का उद्घाटन किया

हैदराबाद, १३ जनवरी। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने मंगलवार को रंगारेड्डी जिले के मेहेरुवन मंडल के पेंड्याल गांव में आयोजित स्वामी विवेकानंद चैलेंज कप टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। सभी को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने याद दिलाया कि सोमवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर पूरे देश में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होकर केंद्र सरकार के तत्वावधान में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और पूरे देश में भव्य तरीके से समारोह आयोजित किए गए।

राष्ट्रीय प्राति में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में युवा शक्ति की कोई कमी नहीं है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विकास के पथ पर ले जाने के लिए इस ऊर्जा को सभी क्षेत्रों में लगाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार खेलों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है और युवा एथलीटों और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रही है। किशन रेड्डी ने आगे कहा कि आने वाले वर्षों में राष्ट्रमंडल खेल और ओलंपिक खेलों जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों को भारत में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। गांव की अपनी पिछली यात्रा को याद करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने लगभग २५ साल पहले पेंड्याल गांव में एक कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लिया था और इतने लंबे अंतराल के बाद उसी जगह पर लौटकर खुशी व्यक्त की।

लक्ष्य सेन ने आयुष शेट्टी के खिलाफ ऑल-इंडियन मुकाबले में जीत हासिल की

नई दिल्ली, १३ जनवरी। पूर्व चैंपियन लक्ष्य सेन, सैयद मोदी इंटरनेशनल की विजेता टीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने अपने योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन २०२६ अभियान की शानदार शुरुआत की, जबकि चीनी ताइपे के पुरुष चौथे सीड चाउ टिएन चेन, जापान के सातवें सीड कोडोई नारीका और फ्रांस के छठे सीड एलेक्स लैनियर मंगलवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित वर्ल्ड टूर सुपर ७५० टूर्नामेंट के पहले दिन बाहर हो गए। सेन को अपने एकेडमी-साथी शे्ट्टी को २१–१२, २१–१५ से हराने में सिर्फ ३६ मिनट लगे, जबकि टीसा और गायत्री ने इंदिरा गांधी मल्टी–पर्पस इंडोर स्टेडियम में थाईलैंड की ओर्निचा जोंगसार्थपॉर्नपन और सुकिता सुवाचाई

को २१–१५, २१–११ से हरया। इससे पहले, कनाडा के ब्रायन यांग ने चाउ को २१–१९, २१–११ से हरया, चीनी ताइपे के ची यू जेन ने लैनियर को २१–१७, २१–१९ से हरया और कोडाई नाराओका ने अपने हमवतन केंटा निशिमोटो के खिलाफ ६–२१, ५–७ से पीछे रहने के बाद मैच छोड़ दिया। इस साल इंडिया ओपन २०२६ एक बहुत बड़े स्टेडियम में होने के कारण, पहले दिन का फोकस सेन और शे्ट्टी के बीच ऑल–इंडियन मुकाबले पर था। २४ वर्षीय इंडियन ऑयल के कर्मचारी ने शुरू से ही तेजी दिखाई और पहले गेम में ७–१ की बढ़त बना ली, नेट पर दबदबा बनाया और अपने युवा प्रतिद्वंद्वी को जमने का मौका नहीं दिया। पहले गेम के आखिर में ही शे्ट्टी ने अपनी लय पकड़ी और लगातार छह अंक जीतकर स्कोर ६–१७

से १२–१७ कर दिया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। शे्ट्टी ने दूसरे गेम में अच्छी शुरुआत की और ५–१ की बढ़त बना ली, इस बार सेन साइड–वे डिफ्ट के कारण अपने स्प्रोक्स को कंट्रोल करने में संघर्ष कर रहे थे। लेकिन फिर २०२१ वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट ने अपने स्टिक स्मैश का इस्तेमाल करके लंबे शे्ट्टी को झुकाया और उसके बाद एक टेप करके गेम में अपनी वापसी शुरू की, और बिना किसी परेशानी के मैच खत्म कर दिया। सेन ने कहा, किसी भी टूर्नामेंट में पहला मैच बहुत महत्वपूर्ण होता है और परिस्थितियाँ थोड़ी मुश्किल थीं। क्योंकि यह एक बड़ा हॉल है, हम सोच रहे थे कि परिस्थितियाँ धीमी होंगी लेकिन शटल तेजी से चल रही थी। साथ ही, काफी ठंड थी और मैं खुश था कि मैच शुरू

होने से पहले मैंने अच्छी तरह से वार्म–अप कर लिया था। सेन अब दूसरे राउंड में निशिमोटो का सामना करेंगे। सेन के कोर्ट में आने से पहले, टीसा और गायत्री ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबानों को विजयी शुरुआत दी। दुनिया की नंबर २१ भारतीय जोड़ी थाई जोड़ी के खिलाफ ६२ मिनट के मुकाबले में शायद ही कभी दबाव में थी। भारतीय जोड़ी अब चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त ली यी जिंग और लुओ जू मिन का सामना करेंगी, जिन्होंने अमेरिका की फ्रांसेस्का कॉर्बेट और जेनी गाई को २१–१२, २१–८ से हरया। पुरुष डबल्स जोड़ी हरहरन अमसकरुण और एम्विक अर्जुन भी दूसरे राउंड में पहुँच गए, क्योंकि उन्होंने पहले राउंड में मलेशियाई जोड़ी ऑंग येव सिन और टेओ ई यी को २१–१५, २१–१८ से हरया।

वे अगले राउंड में चीन के चौथी वरीयता प्राप्त लियिंग वेई केन और वांग चांग का सामना करेंगे। इस बीच, फेशनल श्रुति मिश्रा और प्रिया कोंजैगवम ने कुल पाँच मैच पाँट बचाए, लेकिन वे एक मैच पाँट को भुना नहीं गए। और हांगकांग चीन की लुई लोकोल और त्सांग हिचू यान से एक घंटे और आठ मिनट में २१–११, २०–२२, २४–२२ से हार गई। पूर्व विश्व चैंपियन पीबी सिंधु, पुरुष सिंगल्स के स्टार किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय बुधवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त चिराग शेठ्टी और सत्त्विकासईयाय रंकीरेड्डी को पहले राउंड में वॉकओवर मिला क्योंकि अमेरिका के चेन झी यी और प्रेस्ली स्थित ने नाम वापस ले लिया।

आईसीसी ने बांग्लादेश से अपने रुख पर फिर से विचार करने का आग्रह किया

ढाका, १३ जनवरी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को घोषणा की कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उनसे आगामी टी२० वर्ल्ड कप २०२६ में उनकी भागीदारी पर अपने रुख पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया है। यह घटनाक्रम दोपहर में बीसीबी और आईसीसी के बीच हुई एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान हुआ। बांग्लादेश की भागीदारी पर सवाल बना हुआ है क्योंकि बीसीबी ने आईसीसी से सुरक्षा कार्यों का हवाला देते हुए अपने वेन्यू को भारत से सह–मेजबान श्रीलंका में स्थानांतरित करने के लिए कहा था, जब बीसीसीआई ने दोनों देशों के बीच मौजूदा राजनीतिक तनाव के कारण आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स को मुस्लिमजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज करने का निर्देश दिया था।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में बीसीबी का प्रतिनिधित्व उसके अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम, उपाध्यक्ष रकावत हुसैन और फारुक अहमद के साथ–साथ निदेशक और क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष नजमुल आबेदीन और सीईओ निजाम उद्दीन चौधरी ने किया। बीसीबी ने एक बयान में कहा, "चर्चओं के दौरान, बीसीबी ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत न जाने के फैसले के संबंध में अपनी स्थिति की पुष्टि की। बोर्ड ने आईसीसी से बांग्लादेश के मैचों को भारत के बाहर स्थानांतरित करने पर विचार करने का भी अनुरोध दोहराया।" इसमें कहा गया है, "जबकि आईसीसी ने इस बात पर जोर दिया कि टूर्नामेंट का कार्यक्रम पहले ही घोषित किया जा चुका है और बीसीबी से अपने रुख पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया है, बोर्ड की स्थिति अपरिवर्तित है।

